

कर्नाटक के प्रत्यक्ष वदेशी नविश में 300% की वृद्धि

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा संसद में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, मार्च 2018 को समाप्त हुए 12 महीनों में वदेशों से प्राप्त अंतरवाह में 300% की वृद्धि के फलस्वरूप कर्नाटक ने पछिले वर्ष प्रत्यक्ष वदेशी नविश (एफडीआई) में सबसे ज़्यादा वृद्धि दर्ज की। तमलिनाडु में भी पछिली अवधि में मंदी के विपरीत इस बार वृद्धि देखी गई, जबकि गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में एफडीआई प्रवाह में गिरावट दर्ज की गई।

प्रमुख बंदि

- कर्नाटक को पछिले वित्त वर्ष के 2.13 बिलियन डॉलर की तुलना में 2017-18 में 8.58 बिलियन डॉलर प्राप्त हुए, जबकि तमलिनाडु को इसी अवधि में 3.47 बिलियन डॉलर की प्राप्त हुई, जो कि पछिली अवधि में प्राप्त की गई 2.22 बिलियन डॉलर की राशि से 56% अधिक थी। यह वृद्धि तमलिनाडु द्वारा नविश संबंधी चिंताओं को दूर करने हेतु किये गए प्रयासों के फलस्वरूप हुई।
- चुनावी वर्ष 2016-17 में पछिले 12 महीनों (4.53 अरब डॉलर) की तुलना में नविश में लगभग आधे की कमी आई थी, इसी वर्ष तत्कालीन मुख्यमंत्री जे. जयललिता के अस्पताल में भरती होने और नधिन के बाद कुछ राजनीतिक अनिश्चिंता भी देखी गई थी।
- लोकसभा में वाणजिय और उद्योग मंत्रालय द्वारा दिये गए लिखित उत्तर के अनुसार, महाराष्ट्र, गुजरात और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य प्रमुख राज्यों में एफडीआई प्रवाह में गिरावट देखी गई।
- भारतीय रज़िर्व बैंक के मुंबई कार्यालय से प्राप्त आँकड़े, जसिमें महाराष्ट्र, दादरा और नगर हवेली, दमन तथा दीव के आँकड़े भी शामिल हैं, दर्शाते हैं कि नविश में आई कमी के कारण पछिले वर्ष के 19.7 बिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2017-18 में 13.4 बिलियन डॉलर नविश की प्राप्त हुई।
- गुजरात में एफडीआई प्रवाह पछिले वर्ष के 3.37 बिलियन डॉलर से 38% गिरकर वर्ष 2017-18 में 2.09 बिलियन डॉलर हो गया।
- आंध्र प्रदेश में एफडीआई प्रवाह पछिले वर्ष की तुलना में 43% गिरकर वर्ष 2017-18 में 1.25 बिलियन डॉलर हो गया।
- कुल मिलाकर, क्षेत्रवार नविश आँकड़े बताते हैं कि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में पछिले वर्ष एफडीआई में 68% की बढ़ोतरी से यह 6.15 बिलियन डॉलर हो गया था।
- दलिचस्प बात यह है कि सेवा क्षेत्र जसिमें वित्त, बैंकिंग, बीमा और आउटसोर्सिंग शामिल हैं, पछिले वर्ष की तुलना में 23% की गिरावट के बावजूद 6.71 बिलियन डॉलर के प्रवाह के साथ एफडीआई का शीर्ष प्राप्तकर्ता बना हुआ है।